

प्रेषक,

एल0एम0 पन्त,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद, उत्तरांचल,
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 06 अक्टूबर, 2006

विषय:-राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु नगरपालिका परिषदों को तदर्थ आधार पर धनराशि का संक्रमण (तृतीय तिमाही हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगरपालिका परिषदों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 की तृतीय किश्त हेतु रु0 103216000.00 (रु0 दस करोड़ बत्तीस लाख सोलह हजार मात्र) की धनराशि तदर्थ आधार पर संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों प्राप्त होने पर नगर पालिका परिषदों को वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु संस्तुत धनराशि को आवंटित धनराशि से समायोजित कर लिया जायेगा।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का

नादेश संख्या- 1595 / XXVII (1) / 2006, दिनांक: 06 अक्टूबर, 2006 का संलग्नक।
 (पालिका परिषदों को वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रथम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुक्रम में तृतीय
 किस्त हेतु संकमित धनराशि का विवरण)

(धनराशि हजार में)

क्र० सं०	नगर पालिका परिषद	तृतीय किस्त हेतु आवंटित धनराशि
1	2	3
1	उत्तरकाशी	2028
2	जोशीमठ	1650
3	चमोली	1861
4	नई टिहरी	2384
5	नरेन्द्र नगर	781
6	मसूरी	4073
7	विकासनगर	975
8	ऋषिकेश	4662
9	दुगड़डा	391
10	कोटद्वार	1985
11	श्रीनगर	1862
12	पौड़ी	4639
13	टनकपुर	1235
14	रामनगर	3679
15	नैनीताल	3012
16	भवाली	414
17	हल्द्वानी	10089
18	जसपुर	3051
19	काशीपुर	7264
20	बाजपुर	1702
21	गदरपुर	1065
22	रूद्रपुर	6931
23	किच्छा	2384
24	सितारगंज	1714
25	खटीमा	1123
26	रुड़की	7583
27	मंगलौर	3342
28	हरिद्वार	13670
29	पिथौरागढ़	3859
30	अल्मोड़ा	2870
31	बागेश्वर	938
	योग:-	103216

(रु० दस करोड़ बत्तीस लाख सोलह हजार मात्र)

(एल०एम० पन्त)

अपर सचिव

5/10/2006

दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन -आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-192-नगरपालिका/नगर निकाय-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन-00- 20- सहायक अनुदान/ अंशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्न:- यथोपरि।

भवदीय,

(एल0एम0 पन्त)
अपर सचिव

संख्या:- 1595 (1)/XXVII(1)/2006 तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल।
- 3- मण्डलायुक्त, गढ़वाल/ कुमायूँ, उत्तरांचल।
- 4- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, देहरादून।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 6- निदेशक, कोषागार, वित्त सेवायें, उत्तरांचल, देहरादून।
- 7- समस्त वरिष्ठ जिला कोषाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तरांचल।
- 8- विभागीय अधिकारी/ वित्त नियंत्रक/ मुख्य/ वरिष्ठ लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 10- एन0 आई0सी0 सचिवालय, उत्तरांचल, देहरादून।

आज्ञा से,

(एल0एम0पन्त) 5/10/2006
अपर सचिव